ओ३म्

दर्शनशास्त्र विभाग

Department of Philosophy

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड, भारत

Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar, UK. Bharat (India)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) वर्ष 2020 पर आधृत
बहुविषयक चतुर्वर्षीय स्नातक
दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम

Undergraduate (Multi Disciplinary), B.A. Four Year's Course for Philosophy under National Education Policy (NEP) - 2020

शैक्षणिक सत्र - 2022-23 से प्रभावी

Implemented from Academic Session - 2022-23

पृष्ठ संख्या 01 से 14 तक।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

(Programme Objectives)

भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय के निर्देशों के अनुसार गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय) का स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) दर्शनशास्त्र का पाठ्यक्रम NEP - 2020 के अनुरूप संरचित है। यह पाठ्यक्रम आठ सत्रों तथा चार वर्षों में विभक्त है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दर्शनशास्त्र में विद्यमान् विविध दार्शनिक तत्त्वों का सम्यक् बोध कराना है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु पाठ्यक्रम में भारतीय व पाश्चात्त्य दर्शन में वर्णित ज्ञानमीमांसीय, तत्त्वमीमांसीय, नीतिशास्त्रीय व तर्कशास्त्रीय विषयों को सम्मिलित किया गया है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में जीवन को उसकी समग्रता में देखने का एक दार्शनिक कौशल विकसित होगा तथा उनमें बौद्धिक, तार्किक, भावनात्मक बुद्धि, नैतिक व यथेष्ट आध्यात्मिक प्रवृत्तियों का परिमार्जन होगा। विद्यार्थी सामाजिक जीवन के लिए उपयोगी न्याय, स्वतन्त्रता, जीवन के मौलिक अधिकार, कर्त्तव्य व सामाजिक राजनैतिक व्यवस्थाओं के दार्शनिक अवधारणाओं को समझने, उनका निर्माण एवं उनके अनुपालन करने में कुशल होंगे। यह कुशलता व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन को अवश्य ही बेहतर बनाने में सहायक होगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम का ध्येय विद्यार्थियों में इसी दार्शनिक कुशलता को विकसित करना है।

Four Year Bachelor of Arts (Hons) in Faculty of Humanities/Oriental Studies (currently known as B.A. Programme)

Semester	Discipline specific Core (DSC) 6cr	Discipline Specific Elective (DSE) 6cr	Generic Elective (GE) 6cr	Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC) 4cr	Skill Enhancement Courses (SEC)/ Vocational Courses (VoC)/ Co-Curricular = 4cr	*Value Addition Courses (VAC)/Industrial Training/Survey and Field Work/Research Project/ Dissertations= 2cr*	Total Credits
I	English/IL (6) **BPI-C101 भारतीय दर्शन (Indian Philosophy)** अन्य विषय (6)			Language and Literature (4)/ Environmental Science and Sustainable Development (4)	NSS/NCC/Cultural (Music/Arts/Drawing& Painting/Dance) **(Qualifying)**	*Yogic Science/ Physical Education and Sports/ Human Psychology*	24
II	English/IL (6) **BPI-C201 (6) पाश्चात्य दर्शन** अन्य विषय (6)			Environmental Science and Sustainable Development/Language and Literature (4)	NSS/NCC/Cultural (Music/Arts/Drawing & Painting/Dance)**(Qualifying)**	*Yogic Science/ Physical Education and Sports/ Human Psychology*	24
	AWARD OF **CERTIFICATE** **(after 1 year- 48 Credits)**						
III	IL/English (6) **BPI- C301 (6) नीतिशास्त्र (Ethics)** अन्य विषय				**BPI-S301 (4) पातञ्जल योग एवं व्यक्तित्व विकास (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) [Patanjal Yoga and Personality Development (Theory & Practical)]**	*IT Skills, Data Analysis* / Digital Literacy and Cyber Security *(2)*	24
IV	IL/English (6) **BPI -C401 (6) पाश्चात्य तर्कशास्त्र (Western Logic)** अन्य विषय (6)				**BPI-S401 शास्त्रार्थ - सिद्धान्त एवं परम्परा (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) [Debate - Theory and Tradition (Theory & Practical)]**	*Science and Society (2)*	24
	AWARD OF **DIPLOMA** **(after 2 Years- 96 Credits)**						
V		**BPI-E501 जैन दर्शन (Jainism)/** **BPI-E502 बौद्ध दर्शन (Buddhism)** **BPI-S03 दयानन्द के दार्शनिक विचार (Philosophical Thought of Swami Dayananda)** अन्य विषय	**BPI-G501** **अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र (Applied Ethics)**		**BPI-S501** **नैतिक निर्णय निर्माण (Ethical Decision Making)**	***Innovation and Entrepreneurship/Health & Wellness/*** Field Study Techniques & Report Writing *(2)* क्षेत्राध्ययन – आर्यसमाज का संस्कृत प्रसार में योगदान / स्त्रीशिक्षा एवं जनजागरण में गुरुकुलों का योगदान	24
VI		**BPI-E601 डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के दार्शनिक विचार (Philosophical Thought of Dr. B.R. Ambedkar)/** **BPI-E602 जैव नीतिशास्त्र (Bioethics)/** **BPI-E603 प्रौद्योगिकी और नीतिशास्त्र (Technology And Ethics)** अन्य विषय (6)	**BPI-G601** **सामाजिक राजनैतिक दर्शन (Socio-Political Philosophy)**		**BPI-S601 (4)** **दार्शनिक विधियाँ *(Philosophical Methodology)***	***Ethics and Culture/*** The essence of Indian Traditional Knowledge/ ***BKT (2)***	24
	AWARD OF **Bachelor of Arts (B.A.) in concerned discipline (after 3 Years- 144Credits)**						
VII	*(Choose any one discipline from A, B)* ***HPI-C701* समकालीन भारतीय दर्शन *(Contemporary Indian Philosophy)*** ***HPI-C702* समकालीन पाश्चात्य दर्शन *(Contemporary Western Philosophy)***				Management Paradigms From Bhagavad Gita/Sanskrit (2)	***Survey and Field Work/ Research Project/ Dissertation on Major (6)***	26

(4)

	HPI-C703 धर्मदर्शन (*Philosophy of Religion*)						
VIII	*HPI-C801* अधिनीतिशास्त्र (*Metaethics*)				Personality Development Through Applied Philosophy of Ramcharitmanas/	***Research Project/ Dissertation (6)***	26
	HPI-E801	भारतीय भाषा दर्शन (*Indian Language Philosophy*)					
	HPI-E802	सौन्दर्यशास्त्र (Aesthetics)					
	HPI-E803	वैदिक दर्शन (Vedic Philosophy)					
	HPI-E804	वेदान्त दर्शन - शंकर एवं रामानुज (Philosophy of Vedanta- Shankara and Ramanuja)					
	HPI-E805	शिक्षा दर्शन (Philosophy of Education)					
	HPI-E806	विज्ञान का दर्शन (Philosophy Of Science)					
	AWARD OF **Bachelor of Arts (Hons) in concerned discipline (4Years) (after 4 Years- 196 Credits)**						
Credits							196

दर्शनशास्त्र विभाग, गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

चार वर्षीय स्नातक स्तर पाठ्यक्रम

कार्यक्रम अध्ययन के परिणाम [Porogramme Outcomes (POs)]

Pos	Attributes
PO 1	दर्शन के मूलभूत तत्त्वों को समझ सकेंगे।
PO 2	दार्शनिक अवधारणाओं की विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक व्याख्या कर सकेंगे।
PO 3	ज्ञान के स्वरूप, प्रामाणिकता व ज्ञान के सीमाओं को समझने में निपुण होंगे।
PO 4	किसी तत्त्व से सम्बन्धित संज्ञानात्मक दावों की परीक्षा कर सकेंगे।
PO 5	जगत् के मूलतत्त्व के सम्बन्ध में दार्शनिक सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।
PO 6	समुचित विधि से तर्क कर सकेंगे।
PO 7	यथार्थ एवं अयथार्थ में मूलतः भेद को भी स्पष्ट कर सकेंगे।
PO 8	किसी नियम आदि की तार्किक वैधता की जाँच कर सकेंगे।
PO 9	तार्किक अनुमान व तार्किक सामान्यों की स्थापना कर सकेंगे।
PO 10	भारतीय व पाश्चात्य नैतिक सिद्धान्तों को स्पष्टता पूर्वक समझ सकेंगे।
PO 11	शुभ – अशुभ, उचित-अनुचित, अच्छा-बुरा, सद्गुण-दुर्गुण आदि नैतिक प्रत्ययों का यथेष्ट अर्थ प्रस्तुत कर सकेंगे।
PO 12	न्याय, स्वतन्त्रता, सम्प्रभुता, अधिकार, कर्त्तव्य, दण्ड आदि सामाजिक-राजनैतिक प्रत्ययों का समीक्षात्मक मूल्याङ्कन कर सकेंगे।
PO 13	नैतिक निर्णयों का निर्माण कर सकेंगे।
PO 14	जीवन और जगत् को समग्रता से समझने में निपुण हो सकेंगे।
PO 15	यौगिक क्रियाओं के द्वारा मन व शरीर को स्वस्थ बना सकेंगे।

(6)

कार्यक्रम अध्ययन के विशिष्ट परिणाम [Programme Specific Outcomes (PSOs)]

S.N.	Attributes
PSO 1	मानवीय समाज, समूह अथवा संस्थानों के सञ्चालन हेतु ऐसे नियमों व कानूनों का निर्माण कर सकेंगे, जिनमें न्याय, समता, स्वतन्त्रता, अधिकार व कर्त्तव्य आदि नैतिक मूल्यों का समावेश हो।
PSO 2	किसी कथन के सत्यता की तार्किक परीक्षा करने में निपुण हो सकेंगे।
PSO 3	सामाजिक व व्यक्तिगत जीवन में उत्पन्न होने वाले नैतिक द्वन्द्वों का समुचित समाधान कर सकेंगे।
PSO 4	विविध रोजगार-परक प्रतियोगात्मक परीक्षाओं में मूल्याङ्कन की जाने वाली बौद्धिक, तार्किक एवं नैतिक दक्षता को प्राप्त कर सकेंगे ।
PSO 5	तार्किक अथवा युक्तिसंगत सम्भाषण कर सकेंगे।
PSO 6	व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन का प्रबन्धन करने में निपुण होंगे।
PSO 7	विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धि (Emotional Intelligence) का विकास होगा।
PSO 8	दार्शनिक अनुसन्धान की क्रिया कर सकेंगे।
PSO 9	विपरीत अथवा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनःस्थिति को शान्त व स्थिर रख सकेंगे।

सत्र - प्रथम

Semester –I

DSC

Paper Code BPI-C101

भारतीय दर्शन

Indian Philosophy

पूर्णाङ्क 100

सत्रान्त परीक्षा - 70

सत्रीय मूल्याङ्कन - 30

क्रेडिट 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दर्शनशास्त्र के विविध आयामों से परिचित कराना है। इसका ध्येय विद्यार्थियों में दर्शनशास्त्रीय दृष्टिकोण को विकसित करना है, जिससे छात्र जीवन एवं जगत् से सम्बन्धित ज्ञानमीमांसीय, तत्त्वमीमांसीय अथवा नैतिक मूल्य आदि विविध विषयों के सम्बन्ध में एक स्पष्ट समझ बना सकें तथा दर्शनशास्त्र तथा अन्य शास्त्रों के मध्य विशिष्ट सम्बन्धों को जान सकें। इस पाठ्यक्रम में प्राचीन भारतीय मनीषियों द्वारा विचार किये गये प्रमुख दार्शनिक तत्त्वों को भी प्रस्तुत किया गया है, जिससे विद्यार्थी भारतीय दार्शनिक विचारों को समझेंगे। इन विशिष्टताओं के साथ यह पाठ्यक्रम छात्रों को दर्शनशास्त्र में सशक्त चिन्तन शक्ति प्रदान करेगा।

प्रश्नपत्र मूल्याङ्कन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्याङ्कन, आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा सत्रान्त परीक्षा के आधार पर होगा। आन्तरिक मूल्याङ्कन में 20 अङ्क लिखित परीक्षा, 05 अङ्क उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा 70 अङ्क की होगी। प्रश्नपत्र क तथा ख दो खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 10 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित होगा। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 06 अङ्क का होगा। खण्ड ख में 08 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अङ्क का होगा।

Course Contents (पाठ्य – विषय)

इकाई I

- दर्शनशास्त्र का अर्थ, स्वरूप, विषय-वस्तु (दर्शनशास्त्र की प्रमुख शाखाएं :- ज्ञानमीमांसा - तर्कशास्त्र, तत्त्वमीमांसा एवं नीतिशास्त्र) दर्शनशास्त्र का महत्त्व, दर्शनशास्त्र ; सभी शास्त्रों के उत्पत्ति के कारण के रूप में। फिलॉसॉफी एवं दर्शन के मध्य अन्तर।
- भारतीय दर्शन के लक्षण, वर्गीकरण :- आस्तिक एवं नास्तिक सम्प्रदाय।
- वेद एवं उपनिषदों का परिचय, उपनिषद् :- ब्रह्म एवं आत्मा।
- भगवद्गीता :- ज्ञानयोग, कर्मयोग और भक्तियोग।

इकाई II

- चार्वाक् (लोकायत) :- ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा एवं नीतिशास्त्र।
- जैन दर्शन :- सत् की प्रकृति और वर्गीकरण, स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, कर्म, बन्धन एवं मुक्ति का सिद्धान्त।

- बौद्ध धर्म :- चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, क्षणिकवाद, निर्वाण।

इकाई III

- सांख्य :- पुरुष, प्रकृति, मुक्ति, विकासवाद, सत्कार्यवाद।
- योग :- चित्त, चित्तवृत्ति, चित्तभूमियाँ, अष्टांग-योग, ईश्वर।

इकाई IV

- न्याय :- प्रमा, अप्रमा एवं प्रमाण। प्रत्यक्ष एवं प्रकार - निर्विकल्पक, सविकल्पक, लौकिक, अलौकिक एवं योगज। अनुमान, व्याप्ति, परामर्श, अनुमान का वर्गीकरण - पूर्ववत्, शेषवत्, सामान्यतोदृष्ट , केवलान्वयि, केवलव्यतिरेकि, अन्वयव्यतिरेकि, स्वार्थानुमान, परार्थानुमान। उपमान, शब्द प्रमाण, ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण।
- वैशेषिक :- पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव एवं परमाणुवाद।

इकाई V

- मीमांसा (प्रभाकर एवं भट्ट) :- अर्थापत्ति और अनुपलब्धि, धर्म, अपूर्व।
- अद्वैत वेदान्त :- ब्रह्म, माया, मुक्ति। विशिष्टाद्वैत :- ब्रह्म, माया, मुक्ति।

Unit I

- Nature of Philosophy, Distinction between Darśana and Philosophy.
- Characteristics & Classification of Indian Philosophy :- Āstika & Nāstika,
- Introduction to the Vedas & Upanishadas. Upanishad :- Brahaman and Ātman.
- Bhagavadgītā :- Jñānayoga, Karmayoga and Bhaktiyoga.

Unit II

- Lokāyata :- Metaphysics, Epistemology and Ethics.
- Jainism :- Nature and Classification of Reality, Syādavāda, Anekāntavāda. Theory of Karma, Bondage and Liberation.
- Buddhism :- Four Noble Truths, Pratityasamutpāda, Anātmavāda (No-soul theory), Theory of Momentariness, Nirvāna.

Unit III

- Sāṅkhya :- Puruşa, Prakiti, Mukti, Theory of Evolution, Satkāryavāda.
- Yoga :- Citta, Cittavritti, Cittabhumiyan, Eight-fold path (Astang Yoga), God.

Unit IV

- Nyāya :- Pramā, Apramā & Pramānas. Pratyaksa and its types – Nirvikapaka, Savikalpaka, Laukika, Alaukika, Yogaja. Anumān, Vyāpti, Parāmarsa, Classification of Anumāna - Purvavat, Sheshavat, Samanyatodrista, Kevalanvayi, Kevalavyatriki, Anvayavyatireki, Svarthanumān, Pararthanumān, Upmān, Shabda, Proofs for the Existence of God.
- Vaiśeṣika :- Padārthas, Dravya, Guna, Karma, Samanya, vishesha, Samavāya, Abhāva, Atomism.

Unit V

- Mīmāmsā (Prabhākar & Bhatta) :- Arthapatti & Anupalabdhi, Dharma, Apūrva.
- Advaita Vedānta :- Brahman, Māyā, Mukti. Viśiṣṭādvaita :- Brahman, Māyā, Mukti.

पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome)

CO1 - दर्शनशास्त्र के स्वरूप, उसके विषय-वस्तुओं एवं उनका महत्त्व तथा अन्य शास्त्रों से दर्शन के सम्बन्ध को समझ पायेंगे।

CO2 - ज्ञानमीमांसीय, तर्क, तत्त्वमीमांसीय व नीतिमीमांसीय आदि दार्शनिक विषय क्षेत्रों का वर्गीकरण व व्याख्या कर पायेंगे।

CO3 - प्रमा, प्रमेय व प्रमाण के सम्बन्ध में प्राचीन भारतीय दार्शनिक सिद्धान्तों को स्पष्टता पूर्वक समझ पायेंगे।

CO4 - सत् तत्त्व के स्वरूप सम्बन्धी भारतीय दार्शनिक अन्वेषणों से परिचित होंगे।

CO5 – जीव, जगत् व ईश्वर के सम्बन्ध में भारतीय दार्शनिक सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।

CO6 – योग के मूलभूत तत्त्वों को समझ सकेंगे।

सहायक ग्रन्थ (Recommended Readings)-

- Chatterjee, S - Datta. D.M (1984) *An Introduction to Indian Philosophy*. 8th ed., University of Calcutta, (Eng-Hindi)
- Dasgupta, S.N (2004), *A History of Indian Philosophy, vol.1*, Delhi- MLBD Publishers.
- Datta, D.M., (1972) *The Six Ways of Knowing*, University of Calcutta.
- Hiriyanna, M. (1994) *Outlines of Indian Philosophy*, Delhi- MLBD Publishers.
  (2015) *The Essentials of Indian Philosophy*, Delhi- MLBD Publishers.
- Mohanty, J.N. (1992) *Reason and Tradition in Indian Thought,* Oxford- Calrendon Press. (2002) *Essays on Indian Philosophy*, (2nd ed) ed. by P. Bilimoria, UK- Oxford University Press.
- Murthi, K. S. (1959) *Revelation and Reason in Advaita Vedanta*. Waltair- Andhra University Press.
- Organ, T. W. (1964) *The Self in Indian Philosophy*. London- Mounton - Co.
- Pandey, S. L. (1983) *Pre-Samkara Advaita Philosophy*, (2nd ed.) Allahabad- Darsan Peeth.

(10)

- Radhakrishnan, S. (1929) *Indian Philosophy, Volume 1*. Muirhead Library of Philosophy (2nd ed.) London- George Allen and Unwin Ltd.
- Radhakrishnan, S. and Moore, C. A. (1967) *A Sourcebook in Indian Philosophy*, Princeton.
- Raju, P.T. (1985) *Structural Depths of Indian Thought,* Albany, NY- State University of New York Press.
- Sharma, C.D (2000), *A Critical Survey of Indian Philosophy*, Motilal Banarasidass,
- वेदालंकार, जयदेव, भारतीय दर्शन की समस्याएं, प्राच्यविद्या शोध प्रकाशन, हरिद्वार।

Mapping of course outcomes with program outcomes & program specific outcomes

Point Scale

Scale	Point
Below 20% similarity between PO and CO	1
20% to 50% Similarity between PO and CO	2
Above 50% Similarity between PO and CO	3

COs	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PO 11	PO 12	PO 13	PO 14	PO 15	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6	PSO 7	PSO 8	PSO 9
CO1	3	3												2					1				1	
CO2	3	3												2					1				1	
CO3	1	2	3	2		1	3	3	2								2		2				2	
CO4	1	2			3		2							3					2				2	
CO5	3	3				2								2										
CO6	1	1													3							3		3

Note- 1-Low, 2-Medium, 3-High

सत्र - द्वितीय
Semester – II

DSC
Paper Code BPI-C201

पाश्चात्त्य दर्शन
Western Philosophy

पूर्णाङ्क 100
सत्रान्त परीक्षा - 70
सत्रीय मूल्याङ्कन - 30
क्रेडिट 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम में प्राचीन व आधुनिक पाश्चात्त्य दार्शनिकों द्वारा विचार किये गये प्रमुख दार्शनिक अवधारणाओं को प्रस्तुत किया गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को पाश्चात्त्य दर्शनशास्त्र के विशेषताओं एवं प्रमुख सिद्धान्तों का ज्ञान कराना है, जिससे विद्यार्थी ज्ञान व तत्त्व से सम्बन्धित दार्शनिक चिन्तन में प्रवीण हो सकें।

प्रश्नपत्र मूल्याङ्कन विधि-

प्रश्नपत्र का मूल्याङ्कन, आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा सत्रान्त परीक्षा के आधार पर होगा। आन्तरिक मूल्याङ्कन में 20 अङ्क लिखित परीक्षा, 05 अङ्क उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा 70 अङ्क की होगी। प्रश्नपत्र क तथा ख दो खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 10 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित होगा। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 06 अङ्क का होगा। खण्ड ख में 08 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अङ्क का होगा।

Course Contents (पाठ्य – विषय)

ईकाई-I

- ग्रीक दर्शन की उत्पत्ति एवं प्रकृति, पश्चिमी दर्शन की मुख्य विशेषताएं, माइलेशियन और पाइथागोरियन सम्प्रदाय के परमतत्त्व का सिद्धान्त, इलियाई सम्प्रदाय का सत् सिद्धान्त, हेराक्लाइटस का सम्भूति सिद्धान्त, एम्पेडाक्लीज़ का तत्त्व का सिद्धान्त।
- एनेक्ज़ागोरस :- नाउस का सिद्धान्त, ल्यूसिप्पस और डेमोक्रिटस का परमाणु सिद्धान्त, सोफिस्ट के मुख्य सिद्धान्त, सोक्रेटिक विधि।

ईकाई-II

- प्लेटो :- ज्ञान, धारणा और विश्वास, प्रत्यय का सिद्धान्त।
- अरस्तू :- प्रत्ययवाद की समीक्षा, द्रव्य और आकार, कार्य-कारण, वास्तविकता और सम्भाव्यता।
- सेंट ऑगस्टीन का ज्ञान सिद्धान्त, बुराई की समस्या।
- थॉमस एक्विनास का ईश्वर के सम्बन्ध में दृष्टिकोण, विश्वास और कारण के बीच अन्तर।

ईकाई-III

- डेकार्ट :- दर्शन की समस्या, सन्देह की विधि, *'मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ''*, द्रव्य की अवधारणा, ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण, जड़ एवं चेतन का सम्बन्ध।

(12)

- स्पिनोज़ा :- द्रव्य की अवधारणा, गुण एवं पर्याय, ईश्वर एवं सर्वेश्वरवाद।
- लाइबनिज़ :- चिदणु का सिद्धान्त, पूर्व-स्थापित सामञ्जस्य।

ईकाई-IV

- लॉक :- जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान का सिद्धान्त, द्रव्य, प्राथमिक एवं माध्यमिक गुण।
- बर्कले :- भौतिकवाद की आलोचना, *सत्ता दृश्यता है*, व्यक्तिपरक आदर्शवाद।
- ह्यूम :- अनुभववाद की परिणति, आध्यात्मिक तत्त्वों एवं कारणतावाद का खण्डन, सन्देहवाद।

इकाई-V

- कान्ट :- बुद्धिवाद और अनुभववाद, देश और काल, प्रपञ्च एवं परमार्थ (फेनोमिना एवं नोमिना)।
- हेगेल :- द्वन्द्वात्मक विधि, निरपेक्ष प्रत्ययवाद।

UNIT-I

- Origin and Nature of Greek Philosophy, chief characteristics of Western Philosophy, the Ultimate Principles in Ionic and Pythagorean Schools, Being in Eleatic School, Heraclitus' Doctrine of Becoming, Empedocles' Doctrine of Elements.
- Anaxagoras' Doctrine of Nous, Atomic theories of Leucippus and Democritus, Main principles of Sophists, The Socratic Method, Plato's Theory of Knowledge, Doctrine of Ideas,

UNIT-II

- Plato- Knowledge, Opinion & Belief, Ideas, Matter & form, causation
- Aristotle- Criticism of Theory of Ideas, Matter and Form, Causality, Actuality and Potentiality
- St. Augustine's Theory of Knowledge, the Problem of Evil,
- Thomas Aquinas's view of God, Distinction between faith and Reason.

UNIT-III

- Descartes- The Problem of Descartes Philosophy, Method of doubt, *Cogito Ergo sum*, concept of Substance, Proofs for the Existence of God, Mind- Body Relation.
- Spinoza- Refutation of Descartes conception of substance, concept of substance, attribute and mode, God and Pantheism.
- Leibniz- Theory of Monads and Pre -established Harmony.

UNIT-IV

- John Locke- Refutation of Innate Ideas, Theory of Knowledge, Substance, Primary and Secondary Qualities.
- George Berkeley- Criticism of Materialism, *Esse Est Percipi* and Subjective Idealism
- David Hume- Culmination of Empiricism, Refutation of Metaphysical entities and Causality, Scepticism

UNIT-V

- Immanual Kant's Reconciliation of Rationalism and Empiricism, Space and Time, Phenomena and Noumena.
- Hegel- Dialectic Method, Absolute Idealism.

पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome)

- CO1 – प्राचीन व आधुनिक पाश्चात्त्य दर्शन के विशिष्ट दार्शनिक सिद्धान्तों को समझ सकेंगे तथा उनकी समीक्षात्मक व्याख्या कर सकेंगे।
- CO2 – जगत् के मूलतत्त्व के सम्बन्ध में प्राचीन ग्रीक व आधुनिक पाश्चात्त्य दार्शनिकों के विचारों समझ सकेंगे एवं उनकी समीक्षात्मक व्याख्या कर सकेंगे।
- CO3 - ज्ञान के स्वरूप एवं स्रोत के सम्बन्ध में प्राचीन एवं आधुनिक पाश्चात्त्य दार्शनिकों विचारधाराओं को स्पष्टता पूर्वक समझ सकेंगे।

सहायक ग्रन्थ (Recommended Readings)-

1. Will Durant, A story of Philosophy, Simon & Schuster, 1926 & Pocket Books, New York, 2006

2. Bertrand Russell, A History of Western Philosophy, Union paper Backs, London, 1987

3. Frank Thilly, History of Western Philosophy, Central Book Depot, Allahabad, 1975

4. Daya Krishna Ed. Paschyatya Darshana Vol. 1-2, Rajasthan Hindi Granth Academy, 1988.

5. Stace, W.T.- A Critical History of Greek Philosophy Macmillan, New Delhi, 1985

6. Masih, Y. - A Critical History of Western Philosophy, Motilal Banarasidas, Delhi, 1994

(14)

7. C.D.Sharma- Paschatya Darshana, Motilal Banarasidas, 1992

8. Srivastava, Jagdisha Sahai- Adhunik Pascatya Darshana ka Vaijnanika Itihasa, Pustak Sthan,

Gorakhpur, 1973.

9. Singh, B.N., - Paschatya Darshan, Students Friends and Co. Varanasi, 1973.

Mapping of course outcomes with program outcomes & program specific outcomes

Cos	Pol	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PO 11	PO 12	PO 13	PO 14	PO 15	PS O 1	PS O 2	PS O 3	PS O 4	PS O 5	PS O 6	PS O 7	PS O 8	PSO 9
CO1	3	3			2		2							2					2			1	1	
CO2	3	3	2	1	3		3							3					2			1	2	
CO3	3	3	3	2	2	2	2	2	2					2			2		2			1	2	